प्रदान की गई थी । इस बारे में जानकारी सुलभ प्राप्य नहीं है कि पहले ही सहायता दिये जाने वाले परिवारों में कुछ ऐसे नये प्रवासी भी सम्मिलित हैं जो 1966—68 के तीन वर्षों के अंतर्गत आये थे और जिन्हें शिविरों में प्रवेश दिया गया था । उनके पुनर्वास को जनवरी, 1964 से शिविरों में प्रविष्ट किए गए नए प्रवासियों के पुनर्वास के कार्यक्रम तथा योजनाओं का एक भाग समझा जाता है । उन प्रवासियों को, जो उक्त तीन वर्षों के अन्तर्गत आये थे और जो ऊपरि निर्दिष्ट सहायता द्वारा बसाये गये प्रवासियों का भाग है, संख्या के सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी एकत्रित करने में जो समय तथा श्रम लगेगा वह संभावी परिणामों के फलस्वरूप नहीं होगा ।

दिल्ली दुग्ध योजना के पास टैंकर

9227. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध योजना के पास इस समय कितने टैंकर हैं ; और

(ख) गत तीन वर्षों में कितने टैंकरों का आयात किया गया तथा इनका मूल्य कुल कितना है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) बीस ।

(ख) कुछ नहीं ।

दिल्ली दुग्ध योजना की सुरक्षा पर व्यय

9728. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध योजना की सुरक्षा के लिए इस समय कितने पुलिस कर्मचारी प्रतिनियुक्त हैं ; और

(ख) दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा उन पर प्रति वर्ष कुल कितनी राशि खर्च की जाती है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) दिल्ली दुग्ध योजना के पास मजबूत कक्ष तथा एकत्रीकरण केन्द्र की सुरक्षा तथा रोकड़ की प्रतिदिन रिजर्व बैंक ले जाने के लिए एक पुलिसदस्ता है, जिसमें एक मुख्य-सिपाही एवं पांच सिपाही हैं । अन्य सुरक्षा कार्यों के लिए दिल्ली दुग्ध योजना का अपना दस्ता है ।

(ख) दिल्ली दुग्ध योजना, दिल्ली पुलिस द्वारा प्रतिनियुक्त पुलिस दस्ते पर 17,771 रुपये प्रतिवर्ष व्यय करती है ।

कोटा को डाक का भेजना

9729. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **सूचना तथा प्रसारण और संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बूंदी, अजमेर तथा जयपुर से कोटा के लिए रेलवे द्वारा डाक भेजने में देर हो जाती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस डाक को सीधे बसों द्वारा भेजने में सरकार को क्या आपत्ति है ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह): (क) जी, नहीं । बूंदी से कोटा के लिए डाक केवल बस से ही भेजी जाती है । अजमेर और जयपुर से कोटा के लिए जाने वाली डाक का प्रेषण रेल या हवाई जहाज से उनकी रवानगी के समय पर निर्भर रह कर इस उद्देश्य से किया जाता है कि डाक का यथासाध्य शीघ्रताशीघ्र पहुँचना सुनिश्चित हो जाए ।

(ख) अजमेर और जयपुर से कोटा के लिए बस से डाक भेजने की बात विचाराधीन थी । इसी बीच तारीख 7-5-1969 से अजमेर और जयपुर से कोटा को जाने वाली डाक ले जाने के